Bharatiya Vayam

भारतीया वयम्

Document Information

Text title : BhAratiya Vayam

File name : bhAratIyAvayam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Proofread by : NA

Description/comments : vidyAbhAratI 2019-2020 Sanskrit song

Latest update : March 8, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

March 8, 2020

sanskritdocuments.org

भारतीया वयम्

भारतीया वयम् भारतीया वयम् ।
भारतं मे प्रियं राजते भूतले
यस्य दिव्यं यशः कोविदैर्गीयते ।
मानवानां कृते यत् कृतं भारते
तन्न सत्यं क्वचिद् दृश्यते भूतले ॥ १॥ भारतीया वयम्

भेद दृष्टिर्न मे भारतं वर्तते
राष्ट्रभक्तिर्जनैः सर्वथा नन्द्यते ।
राष्ट्रसेवा नरैः सादरं चीयते
राष्ट्रभक्ताः मदीयाः समे भ्रातरः ॥ २॥ भारतीया वयम्

मातृभूमिर्मदीया परा भारती
मातृसेवाव्रता भारतीया वयम् ।
भावयामो वयं सुन्दरं भारतं
राष्ट्रभक्ति परा नः सदा वर्धताम् ॥ ३॥ भारतीया वयम्

भावार्थ-
हम सभी भारतीय हैं, हम सब भारतीय हैं ।
मेरा प्रिय भारत सम्पूर्ण संसार में सुशोभित है ।
जिसके दिव्य यश का गीत प्रकांड विद्वानों
के द्वारा गाया जाता (अलौकिक) है ।
भारत में जो मानवता का रूप दिखाई देता है वह सत्य संसार में कहीं
भी नहीं दिखाई देता है । मेरे भारत में भेदभाव की भावना नही है ।
राष्ट्रभक्ति सभी लोगों में दिखाई देती है ।
राष्ट्रसेवा की भावना सभी लोगों के भीतर
फलती-फूलती है (दिखाई देती है) ।
मेरे देश में रहने वालों लोग सभी राष्ट्रभक्त हैं तथा

आपस में भाई-भाई हैं ।

Vidyabharati Sanskrit Song

Bharatiya Vayam
pdf was typeset on March 8, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*